शुक्रवार
16 फरवरी 2024

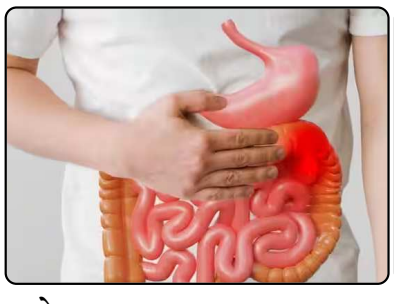

पृष्ठ 4

पेट में गैस बनने से बीपी हो सकता है हाई

पृष्ठ 5

जल्द शुरु होगी अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल की शूटिंग

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 22
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अधिकार जताने से अधिकार सिद्ध नहीं होता।
– रवीन्द्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मंत्री आवास घेरने निकले उपनल कर्मियों की पुलिस से नोक झोंक

सरकार को दी आर या पार की चेतावनी

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते 4 दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे उपनल कर्मियों को आज पुलिस ने मंत्री आवास का घेराव करने से रोका तो उनकी पुलिस के साथ तीखी नोंक झोंक हो गई। कर्मचारियों ने सरकार पर दमनात्मक रवैया अपनाने और अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों को नहीं मानेगी उनका आंदोलन खत्म नहीं होगा।

उपनल कर्मियों का कहना है कि बीते वर्ष जब उन्होंने अपने नियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन किया था तब मंत्री गणेश जोशी उनके बीच आए थे और उन्होंने उनकी मांगों को पूरा करने का भरोसा दिलाया था। लेकिन अभी तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया है। बीते 4 दिनों से उनका धरना प्रदर्शन चल रहा है लेकिन अब वह कर्मचारियों से बात तक करने के लिए तैयार नहीं है। आज जब कर्मचारियों

❑पुलिस ने कनक चौक पर रोका, सरकार पर वायदा खिलाफी का आरोप

ने उनके आवास पर जाकर अपनी बात कहने की कोशिश की तो पुलिस द्वारा उन्हें बलपूर्वक रोक दिया गया है। उनका कहना है कि सत्ता में बैठे लोग दमनात्मक रवैया अपना रहे हैं। लेकिन अब उनका यह आंदोलन तब तक खत्म नहीं होगा जब तक उनकी मांगों को माना नहीं जाएगा।

आज सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के आवास का घेराव करने के लिए हजारों की संख्या में उपनल कर्मी परेड ग्राउंड में जमा हुए जहां से वह मंत्री आवास घेरने के लिए निकले तो उन्हें कनक चौक पर ही पुलिस ने वेरिकेटिंग कर रोक दिया गया। इस दौरान कर्मचारियों के साथ पुलिस की तीखी नोकझोंक भी हुई लेकिन पुलिस ने उन्हें

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

ऋषिकेश एम्स से शुरू होगी देश की पहली हैम सेवा: सिंधिया

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंडवासियों को जल्द ही हैम (हैली इमरजेंसी) सेवा उपलब्ध होने वाली है। केंद्रीय नागर विमानन उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा यह जानकारी एक वीडियो के माध्यम से दी गई है।

सिंधिया ने प्रदेश के लोगों को इस हेली इमरजेंसी सेवा को दिए जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही यह सेवा शुरू कराना मेरी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि मैं उत्तराखंड के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि अब यह मेरे डैशबोर्ड में है बहुत जल्द यह सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक हेलीकॉप्टर हर वक्त ऋषिकेश एम्स में उपलब्ध रहेगा जो 150 किलोमीटर के रेडियस में अपनी सेवाएं प्रदान करेगा। किसी भी घटना दुर्घटना या आपदा के समय गंभीर रूप से घायलों को यथाशीघ्र उपचार के लिए जरूरी एम्स या अस्पताल पहुंचाने के लिए यह सेवा कार्य करेगी।

❑प्रधानमंत्री कार्यालय से मिली मंजूरी
❑150 किमी रेडियस में मिलेगी सुविधा

स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत का कहना है कि हम लंबे समय से हेली इमरजेंसी सेवा उपलब्ध कराने की मांग केंद्र सरकार से कर रहे थे। अब इसकी मंजूरी मिल गई है। उन्होंने पीएम और केंद्रीय उड्डन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार जताते हुए कहा कि इस सेवा के शुरू हो जाने से राज्य के लोगों को समय पर उपचार मिल सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह सेवा पूर्णतया निशुल्क उपलब्ध होगी इसका आधा खर्च उत्तराखंड शासन और आधा खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। इस सेवा के शुरू होते ही उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिमी चक्रवर्ती ने दिया इस्तीफा

कोलकाता। बॉलीवुड अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद मिमी चक्रवर्ती ने अपने सांसद पद से इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया है। उन्होंने यह फैसला पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से मुलाकात के दौरान लिया और साफ कहा कि राजनीति मेरी चाय नहीं है। उनके इस कदम से आगामी लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। पहली बार सांसद बनीं मिमी चक्रवर्तीने अपने फैसले से तृणमूल कांग्रेस को अवगत कराने के लिए 13 फरवरी को राज्य विधानसभा में ममता बनर्जी से मुलाकात की। उन्होंने प्रेस से बातचीत में कहा, ष्आज मैं अपनी पार्टी सुप्रीमो से मिली और उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। इन वर्षों में मैंने महसूस किया कि राजनीति मेरी चाय नहीं है।ष मिमी चक्रवर्ती ने सीधे लोकसभा अध्यक्ष को इस्तीफा सौंपने की परंपरागत प्रक्रिया का पालन न करते हुए ममता बनर्जी को इस्तीफा देने का चयन किया, जिससे पार्टी में अटकलें तेज हो गई हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इस अनपेक्षित कदम ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना दिया है।

कांग्रेस के बैंक अकाउंट हुए अनफ्रीज, अजय माकन ने किया था अकाउंट्स फ्रीज होने का दावा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। अजय माकन ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी के अकाउंट्स फ्रीज कर दिए गए हैं। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी है। हालांकि, उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद ये ही अपडेट आया कि अकाउंट से फ्रीज हटा लिया गया है। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन के आरोपों के कुछ देर बाद उनकी ही पार्टी के सांसद विवेक तन्हा ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, कांग्रेस अपने खातों को संचालित कर सकती है ! आईटीएटी दिल्ली द्वारा निर्देश, अगली सुनवाई बुधवार को।

विवेक तन्हा से पहले माकन ने अपने आरोपों में कहा था किकल शाम यूथ कांग्रेस के 4 अकाउंट्स भी फ्रीज किए गए। उन्होंने इसे लोकतंत्र की तालाबंदी बताया है। अजय माकन ने साथ ही यह भी कह कि हमारा पैसा क्राउड फंडिंग का है, यूथ कांग्रेस का पैसा मेम्बरशिप का पैसा है। केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्या इस देश मे एक पार्टी सिस्टम रहेगा। अजय माकन ने यह भी जानकारी दी कि हमने अपीलेट में अर्जी दी थी। इसलिए हम मीडिया के सामने नहीं आए। अब वहां सुनवाई शुरू हुई तो हम सामने आए। उन्होंने बताया कि इस केस को विवेक तनखा वर्चुअली देख रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि 2018 के इनकम टैक्स रिटर्न को आधार बनाकर करोड़ों रुपए मांगे जा रहे हैं। ये बड़े शर्म की बात है, लोकतंत्र की हत्या है। 2018-19 के इनकम टैक्स रिटर्न के बेस पर 210 करोड़ की रिकवरी मांगी गई है। इस पर अजय माकन ने कहा कि हमने बस 30-40 दिन लेट जमा किया था क्योंकि वो चुनावी साल था।

दून वैली मेल

संपादकीय

चंदे के फंदे में फंसी सरकार

प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता के शीर्ष पहुंचने वाला कोई भी दल अगर यह चाहे या यह मान ले कि वह कुछ भी करने का अधिकार रखता है अथवा वह जो कुछ कर रहा है वह सब कुछ सही है, क्योंकि यह करने का अधिकार उसे देश की जनता ने दिया है तो यह भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में कदाचित भी संभव नहीं है। राजनीतिक दलों के चंदे के इलेक्टोरल बांड के फंडे पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का जो फैसला आया है वह इसकी सिर्फ तस्दीक ही नहीं करता है अपितु उन सभी लोगों को आस्वस्त भी करता है जो बीते दिनों 2024 के लोकसभा चुनाव को आखिरी चुनाव होने की आशंका जता रहे थे कि देश से लोकतंत्र समाप्त होने वाला है। यह बहुत आसान नहीं है देश के राजनीतिक दल और आम जनता भले ही सत्ता की निरंकुशता पर लगाम लगाने में नाकाम होते दिख रहे हो लेकिन देश की न्यायपालिका ऐसा हरगिज भी नहीं होने देगी। अभी हाल में ही सुप्रीम कोर्ट के कल इलेक्टोरल बांड और चंडीगढ़ में मेयर चुनाव पर आए दो फैसलों से यह साफ हो गया है कि देश के लोगों के संवैधानिक अधिकारों पर कोई भी सत्ता या नेता गलत तरीके अपनाकर नहीं छीन सकता है। अब सवाल यह है कि चंडीगढ़ के मेयर चुनाव की धांधली को अगर सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की हत्या बताता है और इलेक्टोरल बांड को काले धन को सफेद करने का जरिया और मनी लॉर्डिंग का स्रोत समझता है जिसके जरिए सत्ता में बैठे लोग कॉर्पोरेट को फायदा पहुंचाकर धन बटोरने के काम में जुटे हुए हैं तब क्या सत्ता में बैठे लोग और सरकार इन फैसलों से कोई सबक लेंगे हम और आप यह सोच ही सकते हैं लेकिन ऐसा होने वाला है नहीं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अगर पूरा अमल हो सका तो इस बड़े फर्जीवाड़े का कच्चा चिट्ठा जरूर सबके सामने आ जाएगा। जिसे छुपाने के लिए सॉलीसिटर तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में यह दलील पेश कर रहे थे कि न तो सरकार यह जानना चाहती है कि किसने चंदा दिया और कितना दिया और न चंदा देने वाला यह चाहता है कि किसी को यह पता चले कि उसने किसे कितना चंदा दिया है। फिर इसकी जरूरत ही क्या है जानने की। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि देश को यह जानने का अधिकार है और इसकी जानकारी सार्वजनिक करनी ही होगी तो सत्ता में बैठे लोगों का बेचैन होना अब स्वाभाविक ही है। इलेक्टोरल बांड से अब कुल 15000 करोड़ का चंदा मिला है। जिसका 72 फीसदी यानी 11000 करोड़ के आसपास अकेले भाजपा को मिला है। धन कोई किसी को अकारण तो देता नहीं है। किस उद्योगपति ने कब-कब कितना किसको दिया यह पता चलेगा तो यह भी पता चलेगा क्यों दिया? उसके बदले में सरकार ने उसे क्या-क्या दिया इसका भी पता चल ही जाएगा क्योंकि अब बात निकली है तो बहुत दूर तक जाएगी। 2024 के चुनाव से एन पूर्व आए इस सुप्रीम कोर्ट के फैसले का चुनाव पर कितना असर पड़ेगा यह तो समय ही बताएगा लेकिन हां इस फैसले ने भाजपा नेताओं में बेचैनी जरूर पैदा कर दी है क्योंकि विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरता रहा है और अब इस पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने भी मोहर लगा दी है।

सीएस ने राज्य में विश्व स्तरीय खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर व सुविधाएं विकसित करने के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। राज्य में प्रस्तावित 38वें राष्ट्रीय खेलों के साथ ही दूरदर्शी योजना के साथ उत्तराखण्ड में लम्बी अवधि के लिए खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं खेल सुविधाओं का विकास पर विशेष बल देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने राज्य में विश्व स्तरीय खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर व सुविधाएं निर्धारित समयसीमा में विकसित करने के निर्देश खेल विभाग को सचिवालय में 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए गठित उच्चाधिकार समिति (एचपीसी) की बैठक के दौरान दिए हैं। प्रस्तावित नेशनल गेम्स के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से सम्बन्धित 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखण्ड को ग्रीन स्पोर्ट्स तथा ग्रीन टूरिज्म के विश्व स्तरीय मेजबान के रूप में स्थापित करने का स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि खेल सुविधाओं एवं खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास इस प्रकार किया जाना चाहिए ताकि राज्य के

खिलाड़ी एवं युवा भविष्य में लम्बी अवधि तक इन सुविधाओं का लाभ उठा सके तथा राज्य में स्पोर्ट्स स्प्रिट एवं खेल संस्कृति का विकास हो।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने राज्य में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों को एण्टी ड्रग्स अभियान, ग्रीन नेशनल गेम्स तथा राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने के अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों को ग्रीन नेशनल गेम्स के रूप में आयोजित करने अवधारणा पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने रिसाइक्लड मेडल के उपयोग के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि विभिन्न अवसरों पर अधिकारियों को मिलने वाले स्मृति चिन्ह् इस कार्य के लिए दान किये जा सकते हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों के स्टेडियम एवं खेल स्थलों को ग्रीन कॉन्सेप्ट तथा सेल्फ सस्टेनबल की अवधारणा पर विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्टेडियम तथा खेल स्थलों पर उरेडा के सहयोग से सोलर लाइट आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों के दृष्टिगत सड़कों के सुधार एवं मजबूती के लिए इस सम्बन्ध में लोक निमार्ण विभाग तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के साथ एक बैठक तत्काल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होनें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के दौरान इंटरनेट सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में विशेष प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगौली सहित खेल विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने कुडकावाला फिल्ड में एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 130 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम युसुफ पुत्र अब्दुल मजीद निवासी कुडकावाला बस्ती बताया।

पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महानगर युवा कांग्रेस ने फूंका केन्द्र सरकार का पुतला

हमारे संवाददाता

देहरादून महानगर युवा कांग्रेस द्वारा देहरादून के करनपुर चौक पर केंद्र सरकार द्वारा कांग्रेस के खातों को फ्रीज करने के विरोध में आज केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ वर्मा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे देश के अंदर लोकतंत्र खत्म हो चुका है तथा यह तालाबंदी और बेड़िया कांग्रेस पार्टी के खातों पर नहीं इस देश के लोकतंत्र के ऊपर तालाबंदी और बेड़िया है।

पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि चुनाव से दो हफ्ता पहले किसी भी राजनीतिक पार्टी के खाते फ्रीज कर दिए जाते हैं और उन पर तालाबंदी कर दी जाती है तो यह लोकतंत्र के लिए इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण बात और कुछ नहीं हो सकती है। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष महानगर कांग्रेस लालचंद शर्मा, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जॉय बर्सवाल, राजपुर विधानसभा अध्यक्ष सागर सेमवाल, जिला उपाध्यक्ष हरिद्वार रोहित कर्णवाल, छात्र नेता हरीश जोशी व अन्य कांग्रेस नेता तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा आरोपी दबोचा

हमारे सवाददाता

हरिद्वार। गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार लिया है। गिरफ्तार बदमाश गैंग बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया करता था। मामले में गैंगलीडर को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

जानकारी के अनुसार थाना बुग्गावाला पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में बार-बार गैंग बनाकर अपराध कारित करने वाले अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर आरोपी जाविद, राकिब उर्फ राका व नावेद के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें गैंग लीडर जाविद की गिरफ्तारी पूर्व में ही हो चुकी है तथा अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे जिसके फलस्वरुप गैंगस्टर एक्ट का आरोपी नावेद पुत्र सबदर निवासी गोकुलवाला थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार को ग्राम गोकुलवाला से धर दबोचा गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कविर्वेधस्या पर्येषि माहिनमत्यो न मृष्टो अभि वाजमर्षसि।
अपसेधन्दुरिता सोम मृळय घृतं वसानः परि यासि निर्णिजम्।।
(ऋग्वेद ९-८२-२)

काव्य रचनाकार, सोम, उन जिज्ञासुओं को जो प्रबुद्ध होना चाहते हैं ऐसे महान मस्तिष्कों को ऊर्जा प्रदान करते हैं। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि हे सर्वज्ञ प्रकाश और शांति के स्वामी ! हमारे आध्यात्मिक यज्ञ को सफल करो हमारी पाप वृत्ति को दूर करो।

वीजा दिलाने के नाम पर ठगे पौने चार लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। वीजा दिलाने के नाम पर पौने चार लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्दर रोड निवासी विजय खन्ना ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको व उसकी पत्नी डॉ. गीता खन्ना व उसका पुत्र डॉ. सिद्धान्त खन्ना विदेश कनाड़ा/ यूके जाना चाहते थे जिस हेतु उन्हें वीजा की आवश्यकता थी। वह वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया हेतु पता कर रहा था, तो राहुल भाटिया निवासी राजपुर रोड, देहरादून ने उसको चिराग कपूर व त्रिशला निवासी मकान बावा कालोनी, बद्दी, हेबोवाल, भारत नगर चौक, लुधियाना पंजाब जो सीएस कन्सन्टैन्टस् प्रोपराईटर चिराग कपूर पता सूर्या शॉपिंग कॉम्पलैकस आरकेड, नेशनल रोड लुधियाना पंजाब नाम से फर्म चलाते हैं, को उससे मिलवाया तो उनके द्वारा माह मई सन 2023 को उससे सम्पर्क किया व उसको यह कहा कि वह सब भाग-दौड व कागजी कार्यवाही पूरी करेंगे व वीजा हेतु एम्बेसी में रजिस्ट्रेशन होगा, एवं उसको यह कहा कि आप सीनियर सिटीजन हो आप कहां भाग दौड करोगे वह उसकी ओर से समस्त कार्यवाही और भाग-दौड बहुत कम कमीशन पर कर देंगे। उक्त लोगों पर विश्वास हो गया व उनके कहे अनुसार अपने व अपने पत्नी व पुत्र की पासपोर्ट की प्रति व मूल एवं समस्त प्रपत्र उनके मांगने पर उन्हें दे दिये, तथा उनके कहने पर उसके द्वारा 3 लाख 77 हजार रूपये जमा कर दिये। उनके द्वारा कहा गया कि उसने एम्बेसी में वीजा शुल्क जमा कर दिया है, व आपका वीजा स्वीकृत हो गया है, तथा बीजा शुल्क जमा करने बावत व वीजा स्वीकृत की बावत प्रपत्र उसको प्रेषित किये जिसे देखने से उसको कुछ संदिग्ता का आभास हुआ। उसने उक्त प्रपत्र कनाडा व यूके एम्बेसी में उक्त दस्तावेजों की सत्यता की पुष्टि बावत मेल प्रेषित किया तो उनके द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त प्रपत्र फर्जी हैं, व वीजा उनके यहां से जारी नही किया गया है। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त पति पत्नी ने फर्जी दस्तावेज देकर उसके पैसे ठग लिये हैं।

दुनियाभर में ईगल ने भरी ऊंची उड़ान!

रवि तेजा की फिल्म ईगल 9 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई है. फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है और ये अच्छी कमाई भी कर रही है. ईगल को रिलीज हुए चार दिन हो गए हैं और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाया हुआ है. घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ रवि तेजा की फिल्म दुनियाभर में धमाल मचा रही है और हर रोज करोड़ों का कारोबार कर रही है.

ईगल के तीन दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आ चुका है, जिसके मुताबिक फिल्म ने तीन दिनों में तीस करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. पहले दिन फिल्म ने वर्ल्डवाइड 11.9० करोड़ और दूसरे दिन 9 करोड़ कमाए थे. वहीं अब ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला की मानें तो रवि तेजा की फिल्म ने तीसरे दिन के कलेक्शन के साथ तीन दिनों में कुल 3०.6 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं.

रमेश बाला ने एक्स पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- मुझे बहुत अच्छा लगा! ईगल ने 3 दिनों में दुनिया भर में 3० करोड़ से ज्यादा की कमाई की.

बता दें घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी ईगल का जलवा कि ईगल घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी हर रोज करोड़ों में खेल रही है. फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 6.2 करोड़ की ओपनिंग की थी. वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 5 करोड़ कमाए तो तीसरे दिन का कलेक्शन 4.85 करोड़ रुपए रहा. इस तरह तेलुगु और हिंदी, दो भाषाओं में रिलीज हुई रवि तेजा की इस फिल्म ने तीन दिनों में कुल 16.5 करोड़ रुपए का बिजनेस किया.

कार्तिक गट्टमनेनी के डायरेक्शन में बनी ईगल के स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में रवि तेजा लीड रोल में हैं. वहीं काव्या थापर, अनुपमा परमेश्वरन, विनय राय, नवदीप और मधु भी फिल्म का हिस्सा हैं.

बाहुबली, केजीएफ 2 वाली लिस्ट में शामिल हुई तेजा सज्जा की फिल्म

तेजा सज्जा की फिल्म हनुमान बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार नोट छाप रही है. फिल्म को रिलीज हुए एक महीना हो चुका है और इस एक महीने में फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. साउथ फिल्म होने के बावजूद फिल्म का हिंदी बेल्ट में भी दबदबा बना हुआ है और हनुमान ने अब तक दमदार कमाई करके इतिहास रच दिया है.

रिपोर्ट की मानें तो हनुमान ने रिलीज के 31वें दिन 1.3 करोड़ रुपए कमाए थे. इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 195.65 करोड़ रुपए हो गया है. फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी. सबसे ज्यादा हनुमान ने तेलुगु में (141.35 करोड़ रुपए) कमाए है. वहीं दूसरे नंबर पर फिल्म ने हिंदी भाषा में कमाई की है.

हनुमान ने हिंदी भाषा में 5०.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5० करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली ये साउथ फिल्म इंडस्ट्री की 11वीं फिल्म बन गई है. इससे पहले इस लिस्ट में बाहुबली 2 (511 करोड़), केजीएफ चैप्टर 2 (435.35 करोड़), आरआरआर (272.8० करोड़), 2.ह्व (19०.5० करोड़), सालार (152.65 करोड़) और आदिपुरुष (147.9० करोड़) समेत 1० फिल्में शामिल हैं.

हिंदी बेल्ट में 5० करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में साहो, बाहुबली, पुष्पा और कांतारा का भी नाम जुड़ा हुआ है. साहो ने हिंदी बेल्ट में 145.65 करोड़ रुपए कमाए थे तो वहीं बाहुबली ने 118.5० करोड़ का कारोबार किया था. पुष्पा ने भी 1०6.35 करोड़ रुपए की कमाई की थी और कांतारा ने 84.75 करोड़ रुपए बटोरे थे. वहीं अब इस लिस्ट में 11वां नाम हनुमान का जुड़ गया है. जिसने हिंदी भाषा में 5०.०5 करोड़ का बिजनेस किया है.

कैंसर से लेकर आयरन की कमी को दूर करने में बेहद फायदेमंद हैं शिमला मिर्च

जब खाने के स्वाद में शिमला मिर्च का तड़का लग जाता है तब खाने का जायका कई गुना तक बढ़ जाता है। चाइनीज़ डिश हो या फिर तिब्बती मोमोज़ सबका स्वाद बढ़ाने वाली शिमला मिर्च, गहरे हरे रंग की आकर्षण शिमला मिर्च सिर्फ दिखने और स्वाद में ही मजेदार नहीं है, बल्कि इसके सेहत लाभ भी कमाल के हैं। अगर आपको नहीं पता, तो जरूर जानना चाहिए शिमला मिर्च के कुछ ऐसे फायदे भी हैं जो आप नहीं जानते होंगे।

शिमला मिर्च के फायदे

शिमला मिर्च एक ऐसी सब्जी है, जिसका सेवन कई रूपों में किया जाता है। लाल, पीली और हरी शिमला मिर्च न सिर्फ आपके व्यजंन को कलरफुल बनाती है बल्कि खाने के स्वाद को भी बढ़ाती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक चुस्त व तंदुरूस्त बनाए रख सकता है। आइए आपको बताते हैं शिमला मिर्च के कुछ अलग फायदों के बारे में;

ताजी हरी शिमला मिर्च में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, फाइबर, कैरोटीनॉइड्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है। शिमला मिर्च में मौजूद अल्कालॉइड्स एंटीइंफलेमेटरी, एनलजेस्टिक व एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है।

आयरन की कमी दूर: अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसका सेवन बेहद फायदेमंद है। दरअसल, शरीर में आयरन के अवशोषण के विटामिन सी की आवश्यकता होती है और शिमला मिर्च मे विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो विटामिन सी आयरन को अवशोषित करके आपको एनीमिक होने से बचाता है।

दिल को स्वस्थ: शिमला मिर्च में पाया जाने वाले फलेवेनॉइड्स कई तरह ही हृदय समस्याओं को दूर करता है। और शिमला मिर्च पूरे शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई बेहतर तरीके से करता है, जिसके कारण आपके दिल में रक्त का थक्का जमने या हार्ट पंपिंग में किसी तरह की परेशानी नहीं आती है।

कैंसर: शिमला मिर्च में एंटी ऑक्सीडेंट, एंटीइंफलेमेटरी तत्व एवं सल्फर, कैरोटीनॉइड लाइकोपीन की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसके कारण यह कैंसर जैसी बीमारी से बचने में भी लाभकारी है।

इम्युनिटी बढ़ाए: शिमला मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह विटामिन सी इम्युन सिस्टम को बूस्ट अप करने का काम करता है। इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के साथ्रसाथ यह डैमेज ब्रेन टिश्यू को रिपेयर करने, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने, अस्थमा व कैंसर जैसी बीमारियों से भी राहत पहुंचाता है।

वजन घटाए: शिमला मिर्च अतिरिक्त वजन को कम करने में मददगार है।दरअसल, शिमला मिर्च में बेहद कम कैलोरी होती है, जिसके कारण इसका सेवन करने से वजन बढ़ने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।शिमला मिर्च अतिरिक्त वजन को कम करने में मददगार साबित होता है। साथ ही यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ाता है।

रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी से ओटीटी डेब्यू कर रही रीम शेख

एक्ट्रेस रीम शेख, जो लीगल ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, ने कहा कि वह पहली बार ग्रे शेड का किरदार निभा रही हैं।

तुझसे है राब्ता, गुल मकई में अपने काम के लिए मशहूर रीम इस शो में अंकिता पांडे का किरदार निभा रही हैं।

अंकिता एक ऐसा किरदार है जो जटिल है, उन्होंने कहा, फिर भी उससे जुडना आसान है।

अपने किरदार में खुद को ढालने के बारे में बात करते हुए, रीम ने कहा, अंकिता का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचकारी है। यह न के वल ओटीटी दुनिया में मेरा पहला प्रोजेक्ट है, बल्कि ग्रे शेड्स वाले किरदार को निभाने में मेरी पहली कोशिश भी है।

दीया और बाती हम की एक्ट्रेस ने कहा, अंकिता और मेरे बीच मतभेदों के बावजूद, यह अविश्वसनीय है कि कैसे सिर्फ 2० मिनट का मेकअप और ड्रेस मुझे बदले और गुस्से से भरी उसकी दुनिया में ले जाती है।

उन्होंने आगे कहा, यह भूमिका मेरे लिए आसान नहीं है। इस रोल ने मुझे अंकिता के मानस में गहराई से उतरने और उसके रिश्तों के जटिल जाल को उजागर करने की भी अनुमति दी है।

शो में जेनिफर विंगेट, करण वाही और संजय नाथ हैं। यह 12 फरवरी से सोनी लिव पर प्रसारित हुआ है।

डैमेज होने से पहले किडनी करती है वॉर्न, भूलकर भी ना करें नजरअंदाज, वरना...

अगर किडनी में किसी तरह की समस्या महसूस हो रही है तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसका गहरा असर सेहत पर पड़ सकता है। दरअसल, किडनी फेल्योर यानी किडनी डैमेज होने की स्थिति में शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर नहीं आ पाते हैं और कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। किडनी डैमेज होने से पहले अक्सर शरीर में वॉर्निंग साइन देखने को मिलते हैं लेकिन इन्हें इग्नोर करने पर खतरा बढ़ जाता है। इसलिए कभी भी कुछ लक्षणों को नजरअंदाज करने से बचना चाहिए।

दिनभर थकान और कमजोरी होना भी किडनी डैमेज होने की वॉर्निंग साइन मानी जाती है। ऐसी कंडीशन को गलती से भी इग्नोर नहीं करना चाहिए। कई लोग शरीर में कमजोरी महसूस होने पर इसे टालते रहते हैं, जो बाद में चलकर गंभीर हो सकती है।

किडनी डैमेज होने की वॉर्निंग साइन

जी मिचलाना

किडनी में खराबी होने पर अक्सर जी मिचलाने जैसा महसूस होता है। ऐसी स्थिति को कभी भी इग्नोर नहीं करना चाहिए, वरना आगे चलकर बड़ी समस्या हो सकती है। जब भी ऐसा लगे तो तुरंत जाकर हेल्थ एक्सपर्ट्स से सलाह लेनी चाहिए।

भूख कम लगना

अगर किडनी में किसी तरह की खराबी है तो भूख में अचानक से कमी आ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब किडनी सही तरह काम नहीं करती है तो शरीर की अतिरिक्त गंदगी बाहर नहीं आ पाती है और भूख कम लगती है। ऐसे में पेट हमेशा भरा-भरा सा लगता रहता है।

थकान-कमजोरी

नींद न आना

रात में अगर अच्छी और गहरी नींद नहीं आ रही है तो सावधान हो जाइए, क्योंकि ये किडनी डैमेज होने की तरफ इशारा हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से फौरन संपर्क करें और समय पर इलाज करवाएं, ताकि आपकी किडनी सुरक्षित रहे।

पेशाब कम या ज्यादा

ज्यादा या कम पेशाब आना भी किडनी डैमेज होने की ओर इशारा करती है। ऐसी स्थिति को भी नजरअंदाज करने के अलावा डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इससे कई समस्याएं पहले ही हल हो सकती हैं और आपकी किडनी की सेहत सही समय पर सुधर सकती है।

अजय की मैदान को मिली रिलीज तारीख, ईद पर होगी बड़े मियां छोटे मियां से टक्कर

अजय देवगन की फिल्म मैदान काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की रिलीज तारीख का कई बार ऐलान हुआ तो हर बार यह किसी न किसी वजह से आगे टल गई।अमित शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म का प्रशंसक भी काफी से इंतजार कर रहे थे तो बीते दिनों इसके ओटीटी पर आने की भी बात सामने आई।हालांकि, अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख की घोषणा कर दी है और यह जल्द सिनेमाघरों में आएगी।

बोनी कपूर और जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म मैदान की शूटिंग काफी समय पहले पूरी हो चुकी है।ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने एक्स पर ट्वीट कर जानकारी दी कि अजय की यह फिल्म ईद के मौके पर सिनेमाघरों का रुख करने के लिए तैयार है।ऐसे में अब इस फिल्म की टक्कर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से होगी, जो ईद पर यानी अप्रैल में ही दर्शकों के बीच आने वाली है।

फिल्म की कहानी फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम पर आधारित है, जिनके मार्गदर्शन में भारतीय फुटबॉल टीम ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में जीत हासिल की थी। इस दौर को भारतीय फुटबॉल का स्वर्ण युग कहा जाता है।इस फिल्म में अजय फुटबॉल कोच का किरदार निभाएंगे तो उनके साथ प्रियामणि, गजराज राव और बंगाली अभिनेता रुद्रनील घोष भी मुख्य भूमिका में शामिल हैं।फिल्म की पटकथा सैविन क्वाड्रास ने और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

मैदान की रिलीज तारीख सबसे पहले 27 नवंबर 2020 तय हुई थी, लेकिन फिर आगे बढ़ाकर 11 दिसंबर, 2020 कर दिया गया।इसके बाद कोरोना वायरस ने दस्तक दी और यह अगस्त, 2021 तक के लिए टाल दी गई। फिर इसकी रिलीज अक्टूबर, 2021 तय हुई, लेकिन यहां भी बात नहीं बनी और एक बार फिर इसकी तारीख आगे खिसक गई।बीते साल भी यह रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब आखिरकार ये अप्रैल में सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अजय अब जल्द ही विकास बहल की फिल्म शैतान में नजर आने वाले हैं, जिसमें ज्योतिका और आर माधवन शामिल हैं। ये फिल्म 8 मार्च को रिलीज होगी।इसके बाद वह रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में दिखाई देंगे, जो 15 अगस्त को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। इस फिल्म की टक्कर अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा-द रूल से होने वाली है।इसके अलावा उनकी झोली में फिल्म रेड 2 और औरों मैं कहां दम था भी है।(आरएनएस)

गोधरा- एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी का टीजर जारी, 1 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

साल 2002 में गुजरात के गोधरा कांड ने पूरे देश को झकझोर के रख दिया। इस घटना की पृष्ठभूमि पर अब तक चांद बुझ गया, परजानिया, फिराक जैसी फिल्में और डाक्यूमेंट्री फिल्में बन चुकी है। इस घटना के 22 साल के बाद अब फिल्म एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा का निर्माण हुआ है जिसका टीजर आज लांच हुआ है। आज भी दर्शकों को साल 2002 बहुत अच्छे से याद होगा। गुजरात के इस दुखद घटना के पीड़ितों की रियल कहानी बड़े पर्दे पर 1 मार्च 2024 को रिलीज होगी। फिल्म में रणबीर शौरी, पंकज जोशी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। एक्सीडेंट ओर कॉन्सपिरेसी- गोधरा' न्याय के लिए पीड़ितों की लड़ाई की जर्नी को दिखाती है।

फिल्म में रणवीर शौरी ने एक वकील का किरदार निभाया है, जो गोधरा ट्रेन अग्निकांड के पीड़ितों की तरफ से पूरी शिद्दत से लड़ते हुए दिखाई देते हैं। फिल्म को एमके शिवाक्ष ने डायरेक्ट किया है। बता दें कि फिल्म की कहानी साल 2002 की 27 फरवरी को गोधरा से अहमदाबाद जा रही साबरमति एक्सप्रेस ट्रेन में लगी आग में 59 लोगों की मौत हो गई थी। इस दर्दनाक घटना को गुजरात दंगों के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि फिल्म का टीजर बहुत पहले ही आ गया था, लेकिन 'द केरल स्टोरी' के शोर के बीच इसकी ज्यादा चर्चा नहीं हो पाई थी। सोशल मीडिया पर फैंस टीजर की खूब सराहना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सच्ची घटनाओं पर फिल्म जरूर बननी चाहिए। दूसरे यूजर ने लिखा, इन दंगों को घटना का नाम देने की कोशिश की गई है। तीसरे यूजर ने लिखा, खुशी है कि बॉलीवुड अब इन घटनाओं पर फिल्म बना रहा है। लोगों को सारी बातें पता होनी चाहिए।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पेट में गैस बनने से बीपी हो सकता है हाई

खराब लाइफस्टाइल और खानपान में गड़बड़ी के कारण अक्सर हाई बीपी की समस्या होती है। हाई बीपी एक दिन में शुरू नहीं होती है बल्कि यह कई खराब लाइफस्टाइल और खानपान का नतीजा होता है। ब्लड प्रेशर हाई होने से चक्कर आना, शरीर में सुस्ती छाना, कमजोरी, धुंधला दिखाई देना, सीने में दर्द जैसी परेशानियां होती है। हाई बीपी को हाइपरटेंशन भी कहा जाता है। जब नसों में ब्लड का प्रेशर बढ़ता है तो गंभीर परेशानियां होती है। जिसके कारण गैस या गैस्ट्रिक प्रॉब्लम होती है। इन सब के कारण हाई बीपी की समस्या हो सकती है।

बीपी दो तरह की होती एक में बीपी हाई तो एक में लॉ हो जाती है।हाई बीपी में ब्लड का प्रेशर बढ़ जाता है जिसके कारण हाइपरटेंशन की शिकायत हो जाती है। ब्लड प्रेशर बढने के कई कारण हो सकते हैं। कई कारणों से हाई बीपी ट्रिगर हो सकती है। पेट में एसिड का बैलेंस बिगडने के कारण भी हो सकता है। ब्लड प्रेशर की वजह से पेट में गैस की दिक्कत हो सकती है। ब्लड प्रेशर कम है या ज्यादा तो उसके सही माप से ही पता चलता है। ब्लड प्रेशर चेक करने के लिए सिस्टोलिक और डायस्टोलिक आंकड़ों को देखा जाता है। ब्लड प्रेशर की सामान्य रीडिंग 120 एमएमएचजी और डायास्टोलिक - 80 एमएमएचजी है।अगर यह रेंज सिस्टोलिक - 130 से 139 एमएमएचजी के बीच और डायास्टोलिक - 80 से 90 एमएमएचजी के बीच हो जाती है। तो इस हाई बीपी समझा जाता है।

हाई बीपी होने पर सिर में तेज दर्द होता है। बीपी बढने से जो प्रेशर बनता है, उससे सिर में झनझनाहट होने लगती है। खूब की रफ्तार तेज हो जाती है और दिल तेजी से काम करने लगता है। इस वजह से सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

सीढि?ां चढ़ते या चलते समय सांस फूले तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। जब दिल अच्छी तरह से काम नहीं करता है, तब यह समस्या होती है। ऐसे में ऑक्सीजन सप्लाई बाधित होती है और हर काम में मेहनत लगती है।

नाक से खून आने को अनदेखा न करें। हाई बीपी की वजह से ऐसा हो सकता है। दरअसल, जब ब्लड प्रेशर हाई होता है, तब नाक की पतली-पतली झिल्लियों के फटने का खतरा रहता है। ऐसे में नाक से खून आने लगता है। तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।(आरएनएस)

सोनम बाजवा ने फोटोशूट के लिए पहनी ऐसी ड्रेस, अदाएं देख उड़े होश

मशहूर पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने बेशक पंजाबी फिल्मों में ही काम किया है, लेकिन उनके चाहने वाले पूरी दनिया में मौजूद हैं, जो सोनम की एक झलक देखने के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। लगभग हर दिन एक्ट्रेस फैंस के साथ अपने नए लुक्स शेयर करती रहती हैं। अब फिर से उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सभी के होश उड़ा दिए हैं।

सोनम को अक्सर एथनिक लुक में ही देखा जाता है। हालांकि, बोल्डनेस के मामले में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। अब फिर से उन्होंने अपने दो बोल्ड लुक से फैंस को भी हैरान कर दिया है।

लेटेस्ट फोटोज में उन्हें व्हाइट बॉडीफिट शीयर गाउन पहन टू पीस फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं। सोनम ने इस आउटफिट को बहुत ग्रेसफुली कैरी किया है।

सोनम बाजवा ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और मिनिमस आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर सोनम ने कानों में सिल्वर हूप ईयररिंग्स पेयरअप किए हैं। सोनम ने अपने इस ग्लैमरस लुक को बहुत बेबाकी से फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक अदाएं दिखाई हैं। फैंस के बीच उनके इस लुक को भी बहुत पसंद किया जा रहा है। कुछ ही समय में उनके इस लुक पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते जा रहे हैं।

दूसरी ओर सोनम के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार एक्ट्रेस को साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 में देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कारोबार कर नए रिकॉर्ड्स कायम किए थे। हालांकि, फिलहाल सोनम ने अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है। चाहने वाले उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

शब्द सामर्थ्य - 73

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

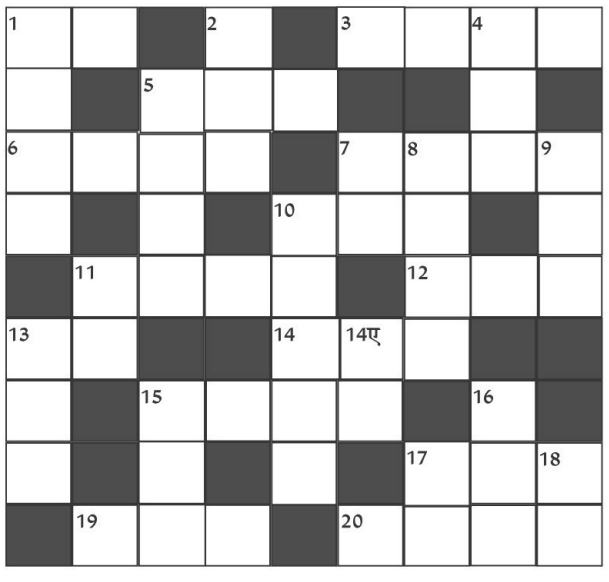

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

बॉक्स ऑफिस पर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की धीमी रही शुरुआत

शाहिद कपूर और कृति सैनन पिछले काफी समय से फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म से शाहिद ने लंबे समय बाद अपने रोमांटिक अवतार में वापसी की।उधर कृति के साथ पहली बार उनकी जोड़ी पर्दे पर देखने को मिली है और दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों को पसंद भी आई है। हालांकि, फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है।आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने पहले दिन 6.5० करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।फिल्म वैलेंटाइन वीक में रिलीज हुई है

और कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में फिल्म की कमाई में इजाफा हो सकता है।बिल्कुल वैसे ही जैसे रोमांटिक कॉमेडी फिल्म जरा हटके जरा बचके के साथ हुआ। शुरुआत में इसकी कमाई धीमी रही, लेकिन बाद में फिल्म ने 1०० करोड़ रुपसे से ज्यादा की कमाई की।

फिल्म का बजट 75 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। सिनेमाघरों में इस वक्त फाइटर एकमात्र ऐसी फिल्म है, जो इसके सामने चुनौती है, लेकिन ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की यह फिल्म भी 15 दिनों बाद अब सुस्त हो चली है।ऐसे में दर्शकों के लिए शाहिद-कृति की फिल्म हल्की-फुल्की मस्ती करने का एक बढि?ा विकल्प बन सकती है। फिल्म का बजट भी कम है, इसलिए इसे हिट या सुपरहिट होने के लिए बहुत माथापच्ची भी नहीं करनी पड़ेगी।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 9 फरवरी को रिलीज हुई है। इसमें धर्मेंद्र और डिंपल कपाडि?ा भी हैं। फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और आराधना शाह ने किया है।फिल्म की कहानी एक रोबोट की है। ये रोबोट कृति हैं, जिनसे शाहिद को प्यार हो जाता है। इसके बाद वह अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए इसे अपने परिवार के पास लेकर जाता है। फिर क्या कुछ होता है, यही सब फिल्म में दिखाया गया है। शाहिद यूं तो पिछली बार फिल्म ब्लडी डैडी में नजर आए थे और उनकी यह फिल्म जियो सिनेमा पर आई थी और इसमें उनके काम की तारीफ हुई थी। हालांकि, बड़े पर्दे पर उनकी आखिरी रिलीज जर्सी थी, जो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी।उधर कृति की फिल्म गणपत भी सिनेमाघरों में आई थी और यह भी फ्लॉप रही थी।अब देखना होगा कि दोनों की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया क्या कमाल दिखाती है। बता दें कि 9 फरवरी को भूमि पेडनेकर की फिल्म भक्षक भी दर्शकों के बीच आई है। हालांकि, यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। फिल्म के साथ-साथ इसमें भूमि की अदाकारी को भी तारीफ हुई है। उधर इसमें संजय मिश्रा ने भी खूब वाहवाही लूटी है।

कमल हासन ने शुरू की मणिरत्नम की ठग लाइफ की शूटिंग

साउथ सुपरस्टार कमल हासन और साउथ इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्म निर्देशक मणिरत्नम की मोस्ट अवेटेड फिल्म ठग लाइफ की शूटिंग शुरू हो गई। फैंस काफी लंबे समय से इस फिल्म से जुड़ी अपडेट के इंतजार में थे। हाल ही में राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने पूरी कास्ट के पोस्टर के साथ एक प्रोमो वीडियो शेयर किया है। साथ ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, रेड जाइंट पिक्चर्स और मद्रास टॉकीज द्वारा सह-निर्मित इस फिल्म में कमल हासन के अलावा दुलकर सलमान, जयम रवि, तृषा, ऐश्वर्या लक्ष्मी, गौतम कार्तिक और जोजू जॉर्ज जैसे बड़े कलाकार नजर आने वाले हैं। वही, इस प्रोमो वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है। प्रोमो रिलीज के बाद फैंस फिल्म को लेकर एक्साइटेड नजर आ रहे हैं और इसकी शूटिंग के पूरे होने का वेट कर रहे हैं।

साथ ही अब फिल्म के ट्रेलर और रिलीज डेट का वेट कर रहे हैं। वहीं, अगर इस फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो इसकी कहानी पूर्वावलोकन पर आधारित है, जिसका पता कमल हासन के लुक से पता चलता है, क्योंकि बाकी स्टार कास्ट प्रोमो वीडियो में फॉर्मल लुक में ही नजर आ रहे हैं। प्रोमो में कमल हासन लंबे बालों के साथ, मौत का प्रतिनिधित्व करने वाले भारी हथियारों से लैस लोगों के एक समूह से लड़ते नजर आ रहे हैं।

वे चौथी दीवार तोड़ते हैं और अपना परिचय कयालपट्टी के रंगराजा शक्तिवेल नायकर के तौर पर देते हैं। हालांकि, पूर्वावलोकन एक डिस्टोपियन विषय का सुझाव देता है, निर्माता कहानी और बाकी जानकारी को गुप्त रखा गया है। इससे पहले बिग बॉस तमिल सीजन 7 के खत्म होने पर कमल हासन ने अपनी इस फिल्म ठग लाइफ के बारे में अपने फैंस को बताया था, जिसके बाद से फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड थे। (आरएनएस)

जल्द शुरु होगी अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल की शूटिंग

अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, अनिल कपूर और नाना पाटेकर की कॉमेडी फिल्म वेलकम सुपरहिट साबित हुई थी। इस फिल्म की सफलता के बाद वेलकम 2 बनाई गई, जिसमें नाना पाटेकर और अनिल कपूर के साथ जॉन अब्राहम थे। अब वेलकम 3 की भी घोषणा हो चुकी है। निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने अपनी वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त की घोषणा की है, तब से फैंस इसके लिए बेहद उत्साहित हैं। वहीं अब फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट सामने आया है।

फिल्म के तीसरे भाग में अक्षय कुमार लौट रहे हैं। अहमद खान निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज और परेश रावल मुख्य भूमिका में हैं। वेलकम टू द जंगल की ग्रैंड टीम मार्च में अगला शेड्यूल शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 45० तकनीशियन फिल्म पर काम करेंगे, जिसकी शूटिंग मुंबई में होगी और उनमें से अधिकांश को पहले ही अपना भुगतान मिल चुका है। एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने कहा कि फिल्म की शूटिंग से पहले हमारे तकनीशियनों के सभी भुगतान चुका दिए गए हैं, जो हमारे लिए अच्छा है। जरूरी है कि बड़ी फिल्में बनें, कम से कम हमारे सभी वर्करों को काम मिले और समय पर भुगतान भी मिले। हमारे कार्यकर्ताओं का सम्मान करने के लिए हम वास्तव में फिरोज नाडियाडवाला को धन्यवाद देते हैं। मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक बड़ी फिल्में बनें, जिसके लिए हमारी इंडस्ट्री जानी जाती है।

दरअसल, इससे पहले फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने बहुप्रतीक्षित फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्माण पर रोक लगा दी थी। इसके पीछे का कारण निर्माता फिरोज नाडियाडवाला द्वारा कथित तौर पर भुगतान में चूक बताया गया। फिल्म की शूटिंग को शुरू करने के लिए फिरोज नाडियाडवाला ने बड़ा कदम उठाया था। फिल्म को बचाने के लिए लंबित भुगतानों को चुकाना शुरू कर दिया था। वहीं अब भुगतान हो चुका है तो फिल्म की शूटिंग में जल्द शुरू हो जाएगी।

फिल्म की शूटिंग को लेकर कहा जा रहा है कि लगभग 2० कलाकार इस शेड्यूल का हिस्सा होंगे, जिनमें श्रेयस तलपड़े भी शामिल हैं। अभिनेता की हाल ही में दिल का दौरा पडने् के बाद एंजियोप्लास्टी हुई थी। वेलकम फ्रेंचाइजी में नाना पाटेकर द्वारा निभाए गए उदय शेट्टी और अनिल कपूर द्वारा निभाए गए मजनू भाई जैसे लोकप्रिय किरदार थे, लेकिन तीसरी किस्त में वे दोनों गायब हैं। वेलकम 3 में अक्षय कुमार के साथ उदय भाई का किरदार संजय दत्त और मजनू भाई का रोल अरशद वारसी निभाएंगे। वेलकम टू द जंगल 2० दिसंबर 2०24 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

महादेव बन तांडव करते नजर आएंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार ने अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों में जगह बनाई है। एक्शन हो रोमांस हो, कॉमेडी हो या सोशल ड्रामा एक्टर ने अपने करियर में हर तरह की फिल्में की हैं। वहीं अब अक्षय कुमार अपनी सिंगिंग से फैंस को दीवाना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अक्षय कुमार ने शंभू टाइटल से एक सॉन्ग को अपनी आवाज दी है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इसकी अनाउंसमेंट की। ये एक म्यूजिक वीडियो है जो 5 फरवरी को रिलीज होगा। इसका निर्देशन गणेश आचार्य ने किया है। अक्षय ने गाने का एक टीजर शेयर किया है जिसमें वह गाने की धुन पर थिरकते नजर आ रहे हैं। गाने में उनका लुक फिल्म ओएमजी 2 (2०23) के लुक जैसा है, जहां उन्होंने भगवान शिव के दूत की भूमिका निभाई थी। शंभू को विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने कंपोज किया है और इसके लिरिक्स अभिनव शेखर के हैं। अक्षय ने इसे सुधीर यदुवंशी और विक्रम मॉन्ट्रोज़ के साथ मिलकर गाया है।

वैसे ये पहला मौका नहीं है जब अक्षय कुमार ने अपनी आवाज में गाना गाया है। इससे पहले भी वे अपना सिंगिंग टैलेंट दिखा चुके हैं। फिल्म टशन में भी एक्टर ने एक गाने में अपनी आवाज दी थी। इसके अलावा एक्टर ने स्पेशल 26 के एक सॉन्ग 'मुझे में तू' भी गाया था। ये गाना काफी पॉपुलर हुआ था। इस बीच, अक्षय ने हाल ही में अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग पूरी की। अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी मुख्य भूमिका में हैं। यह अप्रैल में ईद पर रिलीज होने वाली है।

फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभाएंगी रकुल प्रीत सिंह !

नितेश तिवारी जल्द ही फिल्म रामायण बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के लिए वह भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, सीता के रूप में साई पल्लवी, रावण के रूप में यश और भगवान हनुमान के रूप में सनी देओल के साथ एक शानदार कलाकारों की टोली बनाने में कामयाब रहे हैं। फिल्म में लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभाने के लिए बोर्ड पर आई हैं और निर्माता विभीषण की भूमिका के लिए विजय सेतुपति के साथ बातचीत कर रहे हैं। साथ ही अब, हमें विशेष रूप से पता चला है कि रामायण टीम कहानी के एक और मेन किरदार के लिए कास्टिंग बंद करने की कगार पर है। वो किरदार है शूर्पणखा का।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नितेश तिवारी और उनकी टीम रामायण में शूर्पणखा की भूमिका निभाने के लिए रकुल प्रीत सिंह के साथ चर्चा के लास्ट फेज में हैं। रकुल और नितेश तिवारी पिछले कुछ समय से बातचीत कर रहे हैं और अब शूर्पणखा के लिए कास्टिंग हो चुकी है। यह रामायण के सबसे महत्वपूर्ण किरदारों में से एक है, क्योंकि शूर्पणखा ही वह है जो भगवान राम और रावण के युद्ध के लिए जिम्मेदार है।

रकुल ने पहले ही इस किरदार के लिए लुक टेस्ट कर लिया है और अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ, तो रामायण पहली फिल्म होगी जिसकी शूटिंग वह जैकी भगनानी के साथ अपनी शादी के बाद शुरू करने से पहले रकुल इस महाकाव्य की दुनिया में कदम रखने के लिए एक्साइटेड हैं और कागजी कार्रवाई जल्द ही होगी। एक्ट्रेस रामायण की सदाबहार कहानी से जुडने् को जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर के रूप में मान रही है।

रणबीर कपूर और साईं पल्लवी के साथ मार्च 2०24 में रामायण की शूटिंग शुरू होगी। जहां सनी देयोल के मई 2०24 में अपने हिस्से की शूटिंग करने की उम्मीद है, वहीं यश जुलाई 2०24 में भारत के सबसे बड़े महाकाव्य की टीम में शामिल होंगे। यश द्वारा फिल्म पर अपना काम खत्म करने के बाद टीम इसे रामायण- पार्ट 1 का समापन कहेगी। फिल्म को दिवाली 2०25 वीकेंड के दौरान रिलीज करने का गोल है।(आरएनएस)

दादी-पिता से ज़्यादा नसीब वाले हैं राहुल

पंकज शर्मा

44 और 52 सीटों वाले राहुल को कांग्रेस के भीतर मिल रहे अपार स्नेह का बीजगणित क्या है? क्या वे कांग्रेसजन के लिए अपनी दादी और पिता से भी बड़े आस्था-केंद्र हैं? क्या आज के मोशा-दौर में वे जिस शुचिता-मूलक सियासत की स्थापना के रास्ते पर चल रहे हैं, वह कांग्रेसजन के लिए विश्वास-धुरी है? क्या कांग्रेस के कायाकल्प और पुनरुत्थान को ले कर राहुल की क्षमता पर कांग्रेसजन का अविचलित यक़ीन इस की बुनियाद में है?

मैं राहुल गांधी को भाग्यशाली मानता हूं कि उन्हें एक ऐसी कांग्रेस मिली हुई है, जो दस साल में दो-फाड़ नहीं हुई। राहुल नसीब वाले हैं कि बेमुरव्वत हो कर उन के बार-बार यह कहने पर भी कि 'जिसे जाना है, जाए, जिसे रहना है, रहे' सिर्फ़ एकाध दर्जन छोटे-मंझले-बड़े नेता ही उन्हें छोड़ कर गए और निन्यानबे फ़ीसदी कांग्रेसजन अब भी अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता पर डटे होने की वज़ह से उन के साथ हैं। यह किस्मत पा कर राहुल अपने को धन्य समझें-न-समझें, मैं उन कांग्रेसियों को धन्य मानता हूं, जो बिना उफ़ किए राहुल के तमाम प्रयोगों के गलियारों से कांग्रेस को गुजरते बीस साल से देख रहे हैं।

इन में से दस बरस कांग्रेस केंद्र की सत्ता में थी, इसलिए कांग्रेसियों के लबों पर लटके तालों का रहस्य हम समझ सकते हैं। मगर अब जब दस बरस से कांग्रेस अपने इतिहास के सब से निचले पायदान पर पड़ी है, तब भी अगर समूची कांग्रेस हर हाल में राहुल की ताल से अपनी ताल बेहिचक मिला रही है तो इस दृढ़ता का एक ही मतलब है कि कांग्रेसियों को राहुल की राह पर अखंड विश्वास है।

ऐसा भाग्य पाना आसान नहीं है। मुक़द्दर की ऐसी सिकंदर तो राहुल की दादी इंदिरा गांधी भी नहीं थीं। 46 साल पहले की कांग्रेस-पराजय में 154 सीटें जीतने के बाद भी इंदिरा जी कांग्रेस को टूटने से नहीं बचा पाई थीं। फिर 2014 में महज़ 44 और 2019 में सिर्फ़ 52 सीटों पर सिकुड़ जाने वाली कांग्रेस टूटने से कैसे बच गई? यह संजीदा सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन का विषय है कि कांग्रेस के भीतर शिखर नेतृत्व के ख़िलाफ़ वैसा तूफ़ान क्यों नहीं उठा, जैसा इंदिरा जी के विरोध में साढ़े चार दशक पहले दिखाई दिया था? तब इंदिरा गांधी को तीन दिशाओं से घनघोर आक्रमणों का सामना करना पड़ा था। एक तरफ़ जनता पार्टी की सरकार उन्हें कुचलने पर आमादा थी। दूसरी तरफ़ देश भर में लोगों के गहरे गुस्से का आलम था। तीसरी तरफ़ कांग्रेस में अंदरूनी घमासान मचा हुआ था। इस परिदृश्य की एकदम उलटबांसी हम ने दस साल पहले देखी, जब बेहद शर्मनाक हार के बाद भी पूरी कांग्रेस अभूतपूर्व आस्था के साथ सोनिया गांधी और राहुल के साथ खड़ी रही।

नज़दीकी लोग इंदिरा जी को भी छोड़ गए थे। नज़दीकी लोग राहुल को भी छोड़ गए। दोनों को छोड़ कर गए लोगों की क़द-काठी में फ? हो सकता है। मगर तब भी जो ज़्यादा अपने थे, वे ही डंक-मार निकले थे और अब भी जो बेहद बगलगीर थे, वे ही। तब भी, बेगाने-से समझे गए ही कांग्रेस के लिए जूझे और आज भी वे ही अपने-अपने मोर्चों पर जमे हुए हैं। इंदिरा जी के ज़माने की कांग्रेस कार्यसमिति के 21 सदस्यों में से सिर्फ़ 5 ही उन के साथ रह गए थे। कांग्रेस संसदीय दल का भी भारी बहुमत उन के ख़िलाफ़ था। आज तो पूरी की पूरी कार्यसमिति और पूरा का पूरा संसदीय दल राहुल के पीछे खड़ा है।

1977 के दिसंबर में इंदिरा जी ने कार्यसमिति और संसदीय दल से इस्तीफ़ा दे दिया था। अलग से एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए संचालन समिति बनी। 1 और 2 जनवरी 1978 को दिल्ली में हुए सम्मेलन के लिए कांग्रेस कार्यसमिति के चार सदस्यों - पी.वी. नरसिंहराव, बूटा सिंह, अनंत प्रसाद शर्मा और श्रीमती मर्गाथम चंद्रशेखर - की तरफ़ से देश भर के वरिष्ठ कांग्रेसियों को निमंत्रण भेजे गए। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष ब्रह्मानंद रेड्डी को भी आमंत्रण भेजा गया। पांच हज़ार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन की अध्यक्षता पंडित कमलापति त्रिपाठी ने की। कांग्रेस (इं) का जन्म हुआ। इंदिरा जी नई पार्टी की सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन ली गईं। अगले महीने फरवरी में चार राज्यों - कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराश्ट्र और असम - की विधानसभाओं के चुनाव हुए।

कर्नाटक में कांग्रेस (इं) को 149 का भारी बहुमत मिला। जनता पार्टी को 59 सीटें ही मिली। जिस कांग्रेस को इंदिरा जी ने तोड़ दिया था, उसे महज़ 2 सीटें ही मिलीं। आंध्र प्रदेश में भी इंदिरा जी की पार्टी को 175 सीटें मिलीं, जनता पार्टी को 60 और कांग्रेस (ओ) को सिर्फ़ 30 सीटें मिलीं। महाराष्ट्र में वोट दोनों कांग्रेस पार्टियों के बीच बंट गए और जनता पार्टी 99 सीटों के साथ सब से बड़ा दल बन गई। इंदिरा जी की कांग्रेस को 62 और दूसरी कांग्रेस को 69 सीटें मिलीं। असम में इंदिरा जी को 8 सीटें ही मिलीं। दूसरी कांग्रेस ने 26 और जनता पार्टी ने 53 सीटें जीतीं। असम के मतदाताओं ने तब इंदिरा जी के बजाय देवकांत बरुआ और हितेश्वर सैकिया जैसे नेताओं पर ज़्यादा भरोसा जताया था।

नई पार्टी बनाने के डेढ़ महीने और लोकसभा में हार के एक साल के भीतर इंदिरा जी ने तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बना लीं और दो बरस बाद दनदनाते हुए वे केंद्र की सरकार में भी लौट आईं। ज़ाहिर है कि विजयमाला ने रंगबदलू कांग्रेसियों के रंग फिर बदल दिए। मगर अब तो पिछले दस साल में कांग्रेस अलग-अलग प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 40 बार हार चुकी है। ऐसे में भी राहुल के पीछे खड़े कांग्रेसी क्या आप को इंदिरा जी के ज़माने के कांग्रेसियों से भी ज़्यादा प्रतिबद्ध नहीं लगते हैं? 1977 में सरकार से हटने के बाद अगर इंदिरा जी 1987 तक सत्ता में नहीं लौट पातीं, और 1992 तक भी केंद्र में उन की वापसी के कोई आसार दिखाई नहीं दे रहे होते, और विधानसभाओं के चुनाव भी वे चालीस बार हार गई होतीं, तो उस दौर की कांग्रेस में क्या हो रहा होता?

राहुल के पिता राजीव गांधी को भी लोकसभा में 414 सीटें मिलने के बावजूद ढाई साल के भीतर ही अंदरूनी चुनौतियों का सामना शुरू करना पड़ा था। उन के पाले-पोसे नए-नवेले भी अपने असली रंग दिखलाने लगे थे। राजीव भी कांग्रेस को टूटने से बचा नहीं पाए थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह और आरिफ़ मुहम्मद खान ने नया राजनीतिक दल - जनमोर्चा - बना लिया था। फिर जनता दल बना। बाद में द्रमुक, तेलुगु देशम और असम गण परिषद वगैरह के सहयोग से विश्वनाथ प्रताप की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार बनी। चली महज़ 343 दिन, मगर कांग्रेस के लोकसभा में 197 सांसद होने के बावजूद राजीव गांधी को तो विपक्ष में ही बैठे-बैठे अपनों का विरोध भी झेलना पड़ा था।

ऐसे में 44 और 52 सीटों वाले राहुल को कांग्रेस के भीतर मिल रहे अपार स्नेह का बीजगणित क्या है? क्या वे कांग्रेसजन के लिए अपनी दादी और पिता से भी बड़े आस्था-केंद्र हैं? क्या आज के मोशा-दौर में वे जिस शुचिता-मूलक सियासत की स्थापना के रास्ते पर चल रहे हैं, वह कांग्रेसजन के लिए विश्वास-धुरी है? क्या कांग्रेस के कायाकल्प और पुनरुत्थान को ले कर राहुल की क्षमता पर कांग्रेसजन का अविचलित यक़ीन इस की बुनियाद में है? क्या सोनिया गांधी की भलमनसाहत में कांग्रेसजन के भरोसे का परावर्तन राहुल को शक्तिमान बनाए हुए है? क्या नरेंद्र भाई मोदी की फौलादी राजनीतिक शैली की बिसात पर खुद के लिए किसी स्वतंत्र भूमिका की अनुपस्थिति ने ज़्यादातर कांग्रेसियों को राहुल के समक्ष नतमस्तक बनाए रखा है? जो भी है। राहुल भाग्यवान हैं कि उन्हें ऐसी कांग्रेस मिली है, जो उन के प्रति घनीभूत वात्सल्य, अनुरक्ति और चाह से सराबोर है।

सू- दोकू क्र. 73

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

कांग्रेस, इंडिया में भी बात रुकी

ऐसा नहीं है कि एनडीए में सीट बंटवारा नहीं हो रहा है तो विपक्षी पार्टियों ने सीट शेयरिंग पर बात कर ली है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में ज्यादा समस्या दिख रही है। कांग्रेस की ओर से सीट बंटवारे को लेकर जो बातचीत हो रही थी वह रूक गई है। क्यों रूकी है यह किसी को पता नहीं है। ऐसा लग रहा है कि भाजपा की ही तरह वहां भी गठबंधन के सहयोगियों की तस्वीर साफ नहीं हो रही है। कौन रहेगा और कौन छोड़ेगा यह तय नहीं हो पा रहा है। इसलिए बातचीत थोड़ा आगे बढ़ती है और फिर रूक जाती है। जिन राज्यों में ऐसी दुविधा नहीं है, जैसे तमिलनाडु में तो वहां सीट बंटवारा फाइनल हो गया है। डीएमके ने पिछली बार की तरह कांग्रेस को नौ सीटें देने का फैसला किया है। पिछली बार कांग्रेस नौ में से आठ सीटों पर जीती थी। इस बार भी वह अपना पिछला प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद कर रही है।

लेकिन डीएमके के अलावा किसी राज्य में कांग्रेस ने सीट शेयरिंग फाइनल नहीं की है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 11 सीटें छोडने का ऐलान किया था लेकिन कांग्रेस के नेता इसे पहली किश्त मान रहे हैं। अगर जयंत चौधरी की पार्टी रालोद गठबंधन से बाहर होती है तो कांग्रेस की सीटें बढ़ सकती हैं। जैसे बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के 'इंडिया' से बाहर होने के बाद कांग्रेस को एक बार फिर पिछली बार की तरह नौ सीटें मिल सकती हैं। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस की नेशनल एलायंस कमेटी की एक बैठक राज्यसभा सांसद मनोज झा से बातचीत हुई थी लेकिन दोबारा फिर कोई बैठक नहीं हुई। झारखंड में उथल-पुथल का

घटनाक्रम रहा और अब नई सरकार बनी है, जिसका विस्तार अगले कुछ दिन में होना है। वहां अभी सीट बंटवारे की बातचीत शुरू भी नहीं हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी ज्यादा सीटों पर लडने की मांग कर रही है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा माथापच्ची चल रही है, जहां कांग्रेस के साथ शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी का शरद पवार गुट गठबंधन में हैं। इनके अलावा प्रकाश अंबेडकर और राजू शेट्टी की पार्टी भी है। आम आदमी पार्टी के साथ भी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गोवा और गुजरात को लेकर बातचीत हो रही थी लेकिन वह बातचीत भी थम गई है।(आरएनएस)

राहुल वायनाड से ही लड़ेंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। वामपंथी पार्टियों की अपील कांग्रेस ने ठुकरा दी है। गौरतलब है कि वामपंथी पार्टियों के साथ कांग्रेस का और विपक्षी गठबंधन का कई राज्यों में तालमेल होना है। लेकिन केरल में सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को अलग अलग लडना है। तभी एलडीएफ के नेता चाहते थे कि राहुल गांधी केरल से न लड़ें। राहुल के केरल से लडने का फायदा यह हुआ था कि पिछले चुनाव में यूडीएफ ने 20 में से 19 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी, जिसमें कांग्रेस को अकेले 15 सीटें मिली थीं। राहुल गांधी वायनाड सीट से बड़े अंतर से जीते थे। हालांकि वे अमेठी सीट पर चुनाव हार गए थे।

इस बार भी एलडीएफ को लग रहा है कि राहुल के लडने का फायदा कांग्रेस को होगा। ध्यान रहे 2019 के लोकसभा चुनाव के दो साल बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में एलडीएफ की जीत हुई थी। इसलिए भी एलडीएफ को लग रहा है कि लोग लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन कर सकते हैं। अगर राहुल नहीं लड़ते तो लेफ्ट को कुछ फायदा हो सकता था। बताया जा रहा है कि एलडीएफ के अंदर हुए सीट बंटवारे के तहत सीपीआई को चार सीटें मिली हैं, जिसमें वायनाड की सीट भी है। पिछली बार सीपीआई के पीपी सुनीर इस सीट से लड़े थे। (आरएनएस)

कांजल-काठ लकड़ी की तस्करी कर रहे दून के चार तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। पुष्पा फिल्म की तर्ज पर काजल-काठ लकड़ी की तस्करी कर रहे देहरादून के चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त वाहन, 25 नग काजल-काठ लकड़ी, कटर व दरांती भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एसओजी यमुनावैली व पुरोला थाना पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ तस्कर अवैध रूप से काजल काठ लकड़ी की तस्करी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व थाना पुलिस ने क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को कुमोला रोड़, नागराजा मन्दिर के समीप एक संदिग्ध वाहन आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वाहन सवार चार लोग वाहन छोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें रखी 25 नग काजल काठ की लकड़ी, कटर व दरांती बरामद हुई। पूछताछ मे उन्होने अपना नाम डम्मर सिंह पुत्र स्व. गोपाल सिंह निवासी अशोक आश्रम बाडवाला थाना विकासनगर देहरादून, प्रदीप जीएम पुत्र पदम जीएम निवासी त्यूणी चातरा देहरादून, करन सिंह पुत्र स्व. मोहन सिंह निवासी चातरा, मैन्द्रथ थाना त्यूणी देहरादून व ललित ओली पुत्र स्व. दल बहादुर निवासी अशोक आश्रम बाडवाला विकासनगर देहरादून बताया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तस्कर लकड़ी को गुन्दियाट गांव के जंगलों से काटकर ला रहे थे, जिसको वह विकासनगर व हिमांचल प्रदेश क्षेत्र मे बेचने की फिराक मे थे। बहरहाल पुलिस द्वारा तस्करों व लकड़ी को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है।

चाय वाले से मारपीट कर लूटे 22 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। चाय की दुकान चलाने वाले पर रात्रि में हमला कर उससे 22 हजार रूपये लूटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर निवासी जयपाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक गरीब व्यक्ति है और ट्रांसपोर्ट नगर में एक छोटी सी चाय की दुकान चलाता हैं। 6 फरवरी 24 को रात्रि के समय लगभग साढे ग्यारह बजे के करीब 3-4 व्यक्तियो द्वारा उसका शटर खोल कर जानलेवा हमला कर पीटाई की व उसकी दुकान में रखे बाईस हजार लूट कर ले गये हमलावारो मे से वह एक व्यक्ति को पहचानता है जिसका नाम सुजैद पुत्र जमील खान है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऋषिकेश एम्स से शुरु होगी देश की... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

जाएगा जहां से हेम सेवा शुरू होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इसके लिए केंद्रीय सरकार और पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया है उनका कहना है कि उत्तराखंड एक विषम परिस्थितियों वाला राज्य है। कई बार स्थिति और हालात ऐसे होते हैं जब किसी गंभीर बीमार या घायल को तत्काल स्वास्थ्य सेवा की जरूरत होती है। अगर समय पर इलाज नहीं मिल पाता है तो लोगों की जान चली जाती है इस सेवा के शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने इस सेवा को जल्द शुरू करने की गुजारिश भी उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से की है।

सरकार को दी आर या पार की.... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आगे नहीं जाने दिया गया तो वह वहीं धरने पर बैठ गए और घंटो सरकार और मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की।

उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के बाद विभिन्न विभागों में 25000 से अधिक कर्मचारी अस्थाई तौर पर रखे गए थे जिन्हें नियमित करने का आदेश हाईकोर्ट भी दे चुका है। लेकिन हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ इन्हें नियमित करने की असमर्थता जताते हुए सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एसपीएल दायर की है। जिसे लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। हालांकि उनकी अन्य 10 मांगे हैं लेकिन नियमतिकरण और समान काम समान वेतन की मांगे सबसे प्रमुख है। उधर आज पूर्व सीएम हरीश रावत ने भी उपनल कर्मियों के समर्थन में अपने आवास पर एक घंटे का मौन रखा। उनका कहना है कि जीवन भर काम करने के बाद अब यह कर्मचारी कहां जाएंगे हाई कोर्ट के आदेश के बाद ही इन्हें नियमित कर देना चाहिए था।

मॉक ड्रिल: पुलिस लाईन में परेड के दौरान बलवा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस लाइन में परेड के दौरान बलवा होने पर प्रदर्शनकारियों ने घेराव कर दिया जिसपर पुलिस ने लाठीचार्ज कर बलवाइयों को खदेड दिया। इस दौरान सभी थानों की पुलिस फोर्स , फायर ब्रिगेड, आंसू गैस टीम व फायरिंग टीम मौके पर पहुंची तब पता चला कि एसएसपी अजय सिंह द्वारा मॉक ड्रिल किया गया है। मामले का पता चलते ही जिलाधिकारी सोनिका भी गम्भीर हुई और एसडीएम निर्देश दिये लेकिन मॉक ड्रिल का पता चलते ही उन्होंने भी राहत की सांस ली।

आज यहां प्रत्येक शुक्रवार को पुलिस लाइन में परेड का आयोजन किया जाता है। आज प्रात: जैसे ही परेड शुरू हुई तो यह खबर शहर में फैल गयी कि परेड के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस लाइन को घेर लिया और पुलिस पर हमला कर दिया गया। जिसपर पुलिस ने लाठीचार्ज कर बलवाइयों को खदेड दिया तथा वहां पर गैस का भी रिसाव हो रहा है। यह खबर फैलते ही सभी थानों की पुलिस मौके पर पहुंची तथा फायर ब्रिगेड, घुडसवार पुलिस, अश्रु गैस टीम, लाठी पार्टी, फायरिंग पार्टी भी मौके पर पहुंच गयी। लेकिन वहां पहुंचकर सभी को पता चला कि एसएसपी अजय सिह द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था। मॉक ड्रिल के माध्यम से एसएसपी दून पुलिस की तैयारियों को परख रहे थे। एसएसपी द्वारा प्रात: कालीन परेड के दौरान पुलिस कर्मियों को बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। अभ्यास के दौरान एक्सपायर्ड अश्रु गैस का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान जनपद के सभी थानों, कार्यालयों, पुलिस लाइन, ट्रेनिंग के सभी फोर्स ने मॉक ड्रिल में प्रतिभाग लिया।

❑मौके पर पुलिस फोर्स, आंसू गैस टीम, फायरिंग पार्टी मौजूद

❑डीएम गम्भीर एसडीएम को दिये निर्देश

इस दौरान यह शहर के पुलिस लाइन में क्लोरिन गैस की रिसाव की सोशल मीडिया पर चल रही खबर को लेकर लोगों में डर पैदा होने की दृष्टिगत जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने उक्त खबर को संज्ञान में लेते हुए तत्काल अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजी शरण को निर्देशित किया कि आपदा कंट्रोल रूम से तत्काल प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई करें। जिस पर आपदा कंट्रोल रूम से मालूम करने पर ज्ञात हुआ कि पुलिस लाइन में गैस रिसाव से निपटने की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सभी लोगों से अनुरोध किया कि यह एक मॉक ड्रिल अभ्यास है गैस को लेकर किसी भी तरह से भयभीत ना हो, पुलिस प्रशासन द्वारा आपदा से निपटने के लिए अभ्यास किया जा रहा है।

ज्वैलर्स को एक लाख का चूना लगाने वाली महिलाओं पर मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सुनार को झांसा देकर उसे एक लाख की चपत लगाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। मामले में दो महिलाओं ने सुनार को मिलावटी सोने की चेन देकर नई चेन खरीद डाली और फरार हो गयी।

जानकारी के अनुसार रूद्रपुर क्षेत्रांर्तगत मुख्य बाजार स्थित पांच मन्दिर के समीप मनोज भल्ला की भल्ला ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। बताया जा रहा है कि बीती दोपहर दो बजे एक महिला व एक युवती दुकान पर पहुंची और पुरानी सोने की चेन दिखाकर उसके स्थान पर दूसरी चेन खरीदने की बात कही। जिस पर दुकान स्वामी द्वारा उक्त चेन की कीमत एक लाख रूपये आंकी गयी। जिस पर चेन देने वाली महिलाओं ने एक नई चेन खरीदी जिसका मुल्य एक लाख चार हजार था। जिसका उन्होने चार हजार रूपये गूगल पे से भुगतान किया और चली गयी। महिलाओं जाने के बाद दुकान स्वामी द्वारा जब चेन की गुणवत्ता परखी गयी तो पता चला कि चेन के ऊपर सोने की परत है जबकि चेन कापर की है। जिस पर दुकान स्वामी द्वारा उक्त महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। मामले में पुलिस ने दर्ज मुकदमें के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

शिक्षक अभिभावक संघ की कार्यकारिणी गठित

कार्यालय संवाददाता

टिहरी। शिक्षक अभिभावक संघ श्की नई कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष पद पर धूम सिंह नेगी तथा कोषाध्यक्ष पद पर जगत सिंह धामंदा को सर्व समिति से निर्वाचित घोषित किया गया।

बताते चले कि धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर की वर्ष 2023 -24 के लिए आज नगर पालिका परिषद नरेंद्र नगर के सामुदायिक भवन में पी टी ए की बैठक आहूत की गई थी, जिसमें एजेंडे के प्रथम बिंदु के अनुसार नए षशिक्षक अभिभावक संघष्का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर विक्रम सिंह तथा सचिव पद (पदेन) के लिए श्रीमती सुधा रानी को सर्व समिति से चुन लिया गया।

नई कार्यकारिणी ने उपस्थित सभी अभिभावक एवं शिक्षकों का आभार प्रकट करते हुए छात्रों तथा विद्यालय हित में कार्य करने का वचन दिया। नई कार्यकारिणी ने शिक्षक अभिभावक निधि को सर्व सम्मति से छात्र हित में उपयोग किए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में पारित किया।

अभिभावकों ने छात्रों के कॉलेज आवागमन में हो रही असुविधाओं पर भी चर्चा की, इसके समाधान के लिए कॉलेज के लिए बस संचालन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और सुझाव बैठक में रखे गए।

कालेज प्राध्यापकों ने छात्रों की उपस्थिति बढ़ाये जाने, कॉलेज में संचालित पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्तियों यथा मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के बारे में अभिभावकों को जानकारी के साथ प्रचार- प्रसार में सहयोग किये जाने की विशेष अपील की, जिससे महाविद्यालय का शैक्षिक वातावरण जवाबदेह बनाया जा सके।

राजपाल पुंडीर पूर्व सदस्य बद्री केदार मंदिर समिति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में नरपल सिंह भंडारी ,यशपाल सिंह राणा, भाग सिंह पुंडीर ,बुद्धि सिंह, गुड्डी देवी, अंजली ,बुद्धि सिंह, श्वेता भट्ट, विक्रम सिंह ,सविता आदि अभिभावकों के अलावा कालेज शिक्षक अभिभावक समिति की संयोजिका डॉ सुधा रानी सदस्य डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल, डॉ सृचना सचदेवा डॉ विजय प्रकाश भट्ट, डॉ चेतन भट्ट एवं कुछ वरिष्ठ छात्र छात्राएं विशेष रूप से मौजूद रहे।

एक नजर

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी हुई बीमार, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को बीमार होने की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो सकेंगी। सेहत में सुधार होते ही वह इस यात्रा का हिस्सा बनेंगी।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर खुद के अस्वस्थ होने और अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं बड़े चाव से उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पहुंचने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बीमारी की वजह से मुझे आज ही अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य थोड़ा बेहतर होते ही मैं यात्रा में शामिल होउंगी। तब तक के लिए मैं, चंदौली-बनारस पहुंच रहे सभी यात्रियों, पूरी मेहनत से यात्रा की तैयारी में लगे उत्तर प्रदेश के मेरे सहयोगियों और प्यारे भाई को शुभकामनाएं देती हूं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा फिलहाल बिहार में है और शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी। यात्रा 16-21 फरवरी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों और फिर रायबरेली एवं अमेठी में निकाली जाएगी। 22 और 23 फरवरी यात्रा के लिए विश्राम के दिन हैं तथा 24 और 25 फरवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यात्रा फिर से शुरू होगी।

धारावाहिक सीरियल उड़ान निर्माता कविता चौधरी का निधन

मुंबई। बी-टाउन से हाल ही में दिल तोड़ देने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि हिंदी धारावाहिक सीरियल उड़ान की निर्माता एवं दिग्गज एक्ट्रेस कविता चौधरी अब हमारे बीच नहीं रहीं। उनका निधन हार्ट अटैक के चलते हुआ।

दिग्गज एक्ट्रेस कविता चौधरी का अंतिम संस्कार 16 फरवरी की सुबह 10 बजे शिवपुरी अमृतसर में हुआ। बता दें कि कविता चौधरी एक भारतीय टीवी एक्ट्रेस हैं, जो दूरदर्शन सीरियल उड़ान में आईपीएस अधिकारी कल्याणी सिंह के किरदार के लिए जानी जाती हैं। कविता ने दो और टेलीविजन शो योर ऑनर और आईपीएस डायरीज भी बनाए थे।

भारतीय छात्रों पर हो रहे हमलों की व्हाइट हाउस ने की निंदा

वाशिंगटन। अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों हाल के दिनों में भारतीय छात्रो पर हुए हमलों पर व्हाइट हाउस ने निंदा की है। भारतीय अमेरिकी समुदाय और भारतीय समुदाय के छात्रों पर हुए हमलों के बारे में पूछे जाने पर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मीडिया से कहा कि हिंसा को सही ठहराने के लिए कोई दलील स्वीकार नहीं की जा सकती। धर्म, लिंग या किसी आधार पर इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह अमेरिका में अस्वीकार्य है।

किर्बी ने कहा, इस तरह के हमलों को रोकने के लिए राष्ट्रपति और उनका प्रशासन काफी तत्परता एवं गंभीरता से काम कर रहा है। स्थानीय अधिकारियों को ऐसे हमलों को टालने के लिए निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को साफ निर्देश हैं कि यदि कोई इस तरह की हिंसा करता है या नुकसान पहुंचाने का इरादा रखता है तो कानूनी रूप से उसकी जवाबदेही तय की जाए। रिपोर्टों की मानें तो पिछले कई सप्ताह में हुए हमलों में कम से कम चार भारतीय अमेरिकी छात्रों की जान गई है।

भारतीय छात्रों पर हुए हमलों एवं उनकी मौत पर वहां पढ़ाई करने वाले छात्र दहशत में हैं। वे डर के साए में जी रहे हैं। छात्रों पर हुए हमलों पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गत आठ फरवरी को कहा कि पांच भारतीय छात्र हैं जिनकी मौत हुई है। इनमें भारतीय प्रवासी छात्र भी शामिल हैं। इन पाचों में से दो भारत के नागरिक हैं और बाकी तीन भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक हैं।

'कर्म छोड़ना वैराग्य नहीं है आशक्ति छोड़ना वैराग्य है'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सच्चा सुख तो आत्मज्ञान के बिना नहीं मिल सकता उसके लिए इन वृतियों का निरोध आवश्यक है जो निरंतर अभ्यास और वैराग्य से ही सम्भव है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है महाबाहो नि:संदेह मन चंचल और कठिनता से वश में होने वाला है परंतु हे कौन्तेय अभ्यास और वैराग्य से यह वश में होता है। कर्म छोड़ना वैराग्य नहीं है आशक्ति छोड़ना वैराग्य है।

उक्त विचार ज्योतिष्पीठ व्यास पद से अलंकृत आचार्य शिव प्रसाद ममगाई ने 86डंगवाल मार्ग नेशविला रोड में मेजर स्वर्गीय बिभूति शंकर ढोढियाल की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस में व्यक्त करते हुए कहा कि चित की स्थिरता के लिए बार बार जो प्रयत्न किया जाता है यह अभ्यास है। मन बड़ा चंचल है। यह एक क्षण भी शांत नहीं रहता। विचारों का प्रवाह ही मन की चंचलता का कारण है। यह प्रवाह में भी चलता रहता है। स्वप्न भी इसी प्रवाह से आते हैं। यह मन सर्वत्र भागता है। इसे किसी एक धेय की ओर स्थिर करने की चेष्टा बारम्बार करना अभ्यास है। जैसे ध्यान, भजन, कीर्तन, मंत्र, जप अपने इष्ट देवता या परमात्मा का ध्यान, त्राटक पर ध्यान, गुरु द्वारा दिये मंत्र का जाप, शरीर के किसी अंग पर ध्यान केंद्रित करना आदि अनेक विधियां हैं। इससे मन किसी एक केंद्र पर केन्द्रित होता है। इससे मन की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है जिससे सिद्धि भी प्राप्त होती है। साधक को इन सिद्धियों से बचकर आत्मज्ञान करना चाहिए जो संसार की ओर आकर्षित होता है तो वह अविद्या है। सांख्य में इस चित को ही प्रकृति कहा गया है यह प्रकृति तीन गुणों सत्व रज तम से युक्त हैं। समस्त सृष्टि का विस्तार इन्ही गुणों के आधार पर हुआ है तथा दृष्टा आत्मा इसे मात्र देख रहा है। शरीर में जो चित है वही सृष्टि में महतत्व कहा जाता है। वास्तव में इसके भेद दो हैं। विद्या और अविद्या। महर्षि पातंजलि ने उन चित वृतियों का निरोध अभ्यास और वैराग्य से कहा है ईश्वर अथवा आत्मा कोई उपलब्ध होने वाली वस्तु नही है वह तो नित्य उपलब्ध है। चित अपनी वृत्ति के अनुसार ही देखता है क्योंकि सच्चा सुख केवल आत्मज्ञान से ही मिल सकता है ।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सरोज ढोढियाल जगदीश प्रसाद वैष्णवी ढोंढियाल हरीश चंद्र अमित सतीशचन्द्र गिरीश चन्द्र कर्नल विकास नौटियाल राजेश पोखरियाल मुकेश पोखरियाल विवेकानंद खंडूरी संतोष गैरोला दमयंती देवी बसन्ती देवी इंदु देवी हे शंकराचार्य पीठ के पुरोहित आचार्य ऋषि प्रसाद सती मंत सुचिवृता सीमा पोखरियाल वन्दना सोनिया कुकरेती गीता बडोनी रेखा बहुगुणा लक्ष्मी बहुगुणा नंदा तिवारी विमला आचार्य दामोदर सेमवाल आचार्य दिवाकर भट्ट आचार्य संदीप बहुगुणा आचार्य हिमांशु मैठाणी आचार्य अंकित केमनी आदि भक्त गण भारी सँख्या में उपस्थित रहे।।

युवती का अश्लील वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पतंनगर क्षेत्र में एक युवती का अश्लील वीडियों वायरल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि युवती के एक मित्र ने उक्त वीडियो वायरल किया है। बहरहाल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पंतनगर थाने में पीड़िता की ओर से दी गयी तहरीर में कहा गया है कि अगस्त 2023 में सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी गोविंद सिंह फर्तयाल नाम के एक युवक से दोस्ती हुई थी। इस दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से दोनो की बातचीत भी हुई। बताया कि अक्टूबर 2023 को आरोपी युवक द्वारा फोन कर उसे मिलने के लिए रुद्रपुर बुलाया गया था। आरोप है कि रुद्रपुर में गोविंद उसे डरा धमका कर एक होटल में ले गया और धमकी देकर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। पीड़िता ने बताया कि फरवरी 2024 को भी आरोपी गोविंद ने दुबारा मिलने और शारिरिक संबंध बनाने के लिए कहा, तो पीड़िता ने इंकार कर दिया। मना करने पर आरोपी युवक द्वारा उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। साथ ही आरोपी द्वारा उसके नाम से फर्जी आईडी बना कर उसकी अपत्तिजनक वीडियो उसके रिश्तेदारों और परिवार के लोगो को भेज दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पंतनगर पुलिस ने आरोपी गोविंद सिंह के खिलाफ आईटी एक्ट और आईपीसी की धारा 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी सिटी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

पाखरो घोटालाः सबूत पुख्ता करने में जुटी ईडी

फ्रीज लाकर से निकले 45 लाख के जेवर

विशेष संवाददाता

देहरादून। पाखरो सफारी घोटाले में अब ईडी ने आरोपियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है बीते दिनों ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम द्वारा पूर्व वन मंत्री डॉ. हरक सिंह सहित वन अधिकारियों व उनके नजदीकियों के 17 ठिकानों पर की गई छापेमारी में जो बरामदगी कैश, जेवर तथा संपत्तियों के कागजात के रूप में मिले उसके आधार पर ईडी की टीम को कुछ पुख्ता सबूत हाथ लगे हैं जो घोटाले की पोल खोलने के लिए काफी हैं। यही कारण है कि अब छापेमारी के दौरान फ्रीज किए गए अलमारी और लाकर को भी ईडी ने खंगालना शुरू कर दिया है।

दून के घंटाघर स्थित पीएनबी के बैंक लाकर को ईडी की टीम द्वारा खुलवाया गया तो ईडी को इससे 45 लाख के जेवर बरामद हुए हैं यह लाकर रुद्रप्रयाग की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी राणा का है। जो पूर्व वन मंत्री डॉ हरक सिंह की निकटस्थ मानी जाती है। माना जा रहा है कि अब ईडी सभी अन्य पांच लाकरों को भी जल्द खुलवाने वाली है ईडी के अधिकारियों द्वारा इस लाकर को लक्ष्मी राणा की मौजूदगी में ही खुलवाया गया है अब इन जेवरात की खरीद के कागजात से देखा जाएगा कि यह कब और कहां से खरीदे गए और इसके लिए पैसा कहां से आया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व समय में की

❑अभी 5 लाकर खोले जाने शेष

गई छापेमारी में 1.10 करोड़ की नगदी तथा सवा किलो सोना और कुछ विदेशी मुद्रा तथा 60 करोड़ की जमीन खरीद के कागजात और कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस आदि बरामद किये गये थे। ईडी अब इस मामले की तह तक पहुंच कर जल्द आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट तैयार कर सकती है हजारों करोड़ के इस घोटाले में पहले भी वन विभाग द्वारा खरीदे गए जनरेटर की बरामदगी डा. हरक सिंह के कॉलेज से हो चुकी है। ईडी की कार्रवाई से साफ है कि वह आरोपियों पर शिकंजा कसने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।